एम. डी. पल्लवी

संगीत की अन्य प्रमुख परंपराएँ – भाव संगीत

1 जनवरी 1979 को कर्नाटक के बेंगलुरु में जन्मीं, श्रीमती एम. डी. पल्लवी ने श्री राम राव नाइक से भाव संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाद में, आपने श्री राजभाऊ सोन्टक्के, श्री मैसूर अनंतस्वामी, तथा श्री राजू अनंतस्वामी के संरक्षण में अपनी कला को निखारा। आप किराना, ग्वालियर तथा भव संगीत परम्पराओं से संबंध रखती हैं। आप अभिनय, संपादन तथा फिल्म निर्माण जैसे कार्य भी करती हैं।

एस. पी. बालासुब्रमण्यम, जयंती कुमारेश, के. जे. येसुदास, अनूर अनंत कृष्ण शर्मा, तौफीक कुरैशी, बिक्रम घोष, बॉम्बे जयश्री जैसे कई प्रतिष्ठित संगीतकारों के साथ अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं। आपने कई फिल्मों के लिए गाना भी गाया है, और कई नाटकों तथा फिल्मों में अभिनय के साथ–साथ कई नाट्य प्रस्तुतियों के लिए संगीत भी तैयार किया है। श्रीमती पल्लवी ने कई लघु फिल्मों का स्क्रिप्ट लेखन, सम्पादन एवं निर्देशन के साथ ही निर्माण भी किया है।

आपको कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें कर्नाटक सरकार द्वारा दिया गया केम्पेगौड़ा पुरस्कार भी शामिल है।

संगीत की अन्य प्रमुख परम्पराओं (भाव संगीत) के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिभा को रेखांकित करते हुए श्रीमती एम. डी. पल्लवी को संगीत नाटक अकादेमी द्वारा वर्ष 2018 के लिए उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।